मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD-22

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2020
एम.एच.डी.-22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 20

   (क) त्रिष्णाँ सींची नाँ बुझै, दिन दिन बढ़ती जाइ।
   जवासा के रूप ज्यूँ, घण मेहाँ कुमिलाइ॥

   (ख) जिहिं घरि साध न पूजिये, हरि की सेवा नाँहि।
   तै घर मड़हट सारषे, भूत बसै तिन माँहि॥

   (ग) डगमग छाड़ि दै मन बौरा,
   अब तौ जरें बरें बनि आवै, लीन्हों हाथ सिंधौरा॥
   होइ निसंक मगन ह्वै नाचौ, लोभ मोह भ्रम छाड़ौ॥
   सूरौ कहा मरन थैं डरपैं, सती न संचैं भाड़ौ॥

लोक वेद कुल की मरजादा, इहै कलै मैं पासी।
आधा चलि करि पीछा फिरिहै, ह्वै है जग मैं हाँसी॥
यह संसार सकल है मैला, राँम कहै ते सूचा।
कहै कबीर नाव नहीं छाँड़ौं, गिरत परत चढ़ि ऊँचा॥

(घ) माया तजूँ तजी नहीं जाइ,
फिर फिर माया मोहि लपटाइ॥
माया आदर माया माँन, माया नहीं तहाँ ब्रह्म गियाँन॥
माया रस माया कर जाँन, माया कारनि ततै परान॥
माया जप तप माया जोग, माया बाँधे सबही लोग॥
माया जल थलि माया आकासि, माया ब्यापि रही चहुँ पासि॥
माया माता माया पिता असि, माया अस्तरी सुता॥
माया मारि करै त्यौहार, कहैं कबीर मेरे राँम अधार॥

2. कबीरयुगीन समाज के विविध परिप्रेक्ष्यों पर प्रकाश डालिए। 10

3. कबीर की निर्गुणभक्ति के मूल उपादानों का विवेचन कीजिए। 10

4. कबीर की कविता के रहस्यवादी पक्ष पर विचार कीजिए। 10

5. कबीर की कविता में निहित व्यंग्य की विशेषताएँ बताइए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) शून्यावस्था और सहजावस्था

(ख) शून्य चक्र

(ग) कबीर का महत्व

(घ) कबीर के काव्य में निहित आक्रामक व्यंग्य